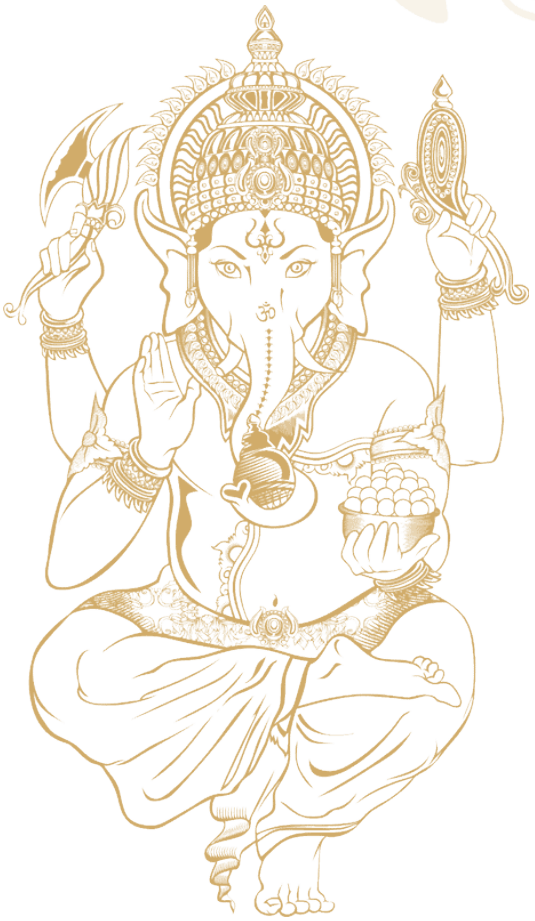

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121784207

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
2-03/08/1992	जन्म तिथि	15/04/1992
रवि-सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 00:30:00	जन्म समय	22:15:14 घंटे
घटी 47:05:35	जन्म समय(घटी)	40:55:07 घटी
India	देश	India
Muzaffarnagar	स्थान	Delhi
29:28:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:45	सूर्योदय	05:55:53
19:09:51	सूर्यास्त	18:46:54
23:45:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 7वर्ष 11मा 17दि	04:31:56	वृष	लग्न	वृश्चि	17:34:07	चन्द्र 8वर्ष 1मा 1दि
गुरु	16:57:10	कर्क	सूर्य	मेष	02:12:29	गुरु
21/07/2025	12:42:52	कन्या	चंद्र	कन्या	12:33:05	17/05/2025
21/07/2041	10:58:14	वृष	मंगल	कुंभ	20:40:04	17/05/2041
गुरु 08/09/2027	17:04:32	कर्क व	बुध	मीन	06:42:44	गुरु 05/07/2027
शनि 21/03/2030	21:43:38	सिंह	गुरु व	सिंह	11:13:45	शनि 16/01/2030
बुध 26/06/2032	00:44:05	सिंह	शुक्र	मीन	16:35:47	बुध 23/04/2032
केतु 02/06/2033	21:43:24	मक व	शनि	मक	23:16:23	केतु 30/03/2033
शुक्र 01/02/2036	06:10:07	धनु व	राहु व	धनु	09:21:32	शुक्र 29/11/2035
सूर्य 19/11/2036	06:10:07	मिथु व	केतु व	मिथु	09:21:32	सूर्य 16/09/2036
चन्द्र 21/03/2038	21:16:35	धनु व	हर्ष	धनु	24:14:45	चन्द्र 16/01/2038
मंगल 25/02/2039	23:10:54	धनु व	नेप	धनु	25:11:52	मंगल 23/12/2038
राहु 21/07/2041	26:23:32	तुला	प्लूटो व	तुला	28:31:15	राहु 17/05/2041

लग्न-चलित

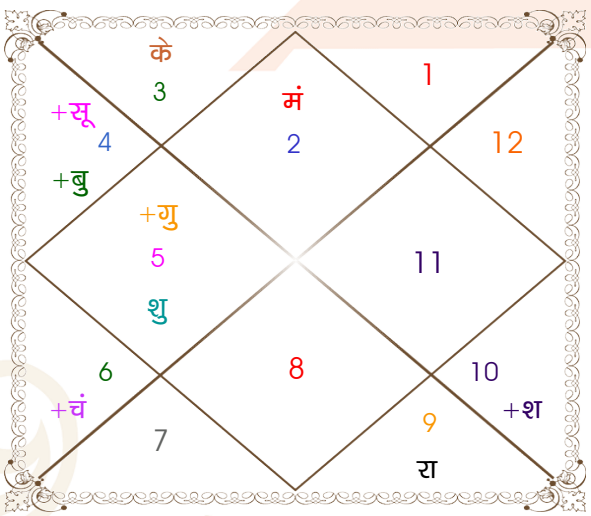

लग्न-चलित

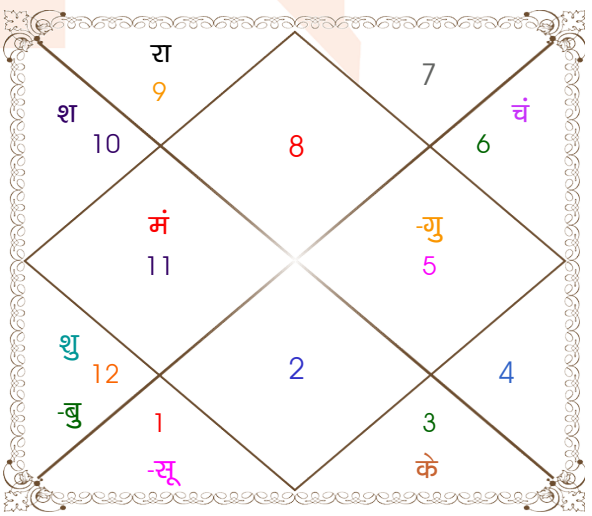

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।